


---

# Rajakrita Shankara Stuti

——  
राजाकृता शङ्करस्तुतिः

——  
Document Information



---

Text title : Rajakrita Shankara Stuti

File name : rAjAkRRitAshankarastutiH.itx

Category : shiva, shivarahasya, stuti

Location : doc\_shiva

Proofread by : Ruma Dewan

Description/comments : shrIshivarahasyam | ugrAkhyah saptamAMshaH | adhyAyaH 21| 283-300||

Latest update : June 16, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

June 16, 2024

*sanskritdocuments.org*

---



---

## Rajakrita Shankara Stuti

---

### राजाकृता शङ्करस्तुतिः

---



(शिवरुद्रस्थान्तर्गते उग्राण्ये)

राजोवाय

कृतार्थोऽस्मि मडादेव कृतार्थोऽस्मि मडेश्वर ।

कृतार्थोऽस्मि डरानन्त कृतार्थोऽस्मि शिवापते ॥ २८३ ॥

नमस्ते देवदेवाय नमस्ते शङ्करप्रभो ।

नमस्ते पार्वतीनाथ नमस्ते करुणाकर ॥ २८४ ॥

नमस्ते मुक्तिमन्दार नमस्ते भक्तवत्सल ।

नमस्ते शर्व सर्वेश नमस्ते पुरसूदन ॥ २८५ ॥

नमस्ते नीलकण्ठाय नमस्ते नीललोहित ।

नमस्ते भगवच्छम्भो नमस्ते वृषभध्वज ॥ २८६ ॥

नमस्ते निर्गुणामेय नमस्ते सगुण प्रभो ।

नमस्ते निष्ठल श्रीमन् नमस्ते शशिशेखर ॥ २८७ ॥

नमस्ते चन्द्रयूषाय नमस्ते भूतिभूषण ।

नमस्ते सर्पभूषाय नमस्ते शूलपाणये ॥ २८८ ॥

नमस्ते विश्वरूपाय नमस्ते विश्वयक्षुषे ।

नमस्ते विश्वगर्भाय नमस्ते विश्वबाहवे ॥ २८९ ॥

नमोऽनन्तगुणाधार नमो विश्वम्भराय ते ।

नमःऽभङ्गाङ्गुडस्ताय नमस्ते परमात्मने ॥ २९० ॥

नमस्ते भूसिन्धुपाय नमस्ते भूसितेशसे ।

नमो विषण्वादिवन्धाय नमस्ते सुरपूजित ॥ २९१ ॥

नमस्ते देवदेवेश नमस्ते सुरसत्तम ।

नमस्ते अस्तु भगवन्नमो विश्वेश्वराय ते ॥ २९२ ॥

मडादेव नमस्तेऽस्तु त्रियम्बक नमोऽस्तु ते ।

नमस्त्रिकाग्रिकालाय नमस्ते त्रिपुरान्तक ॥ २९३ ॥

नमः कालाग्रिरुद्राय मडारुद्राय ते नमः ।

नमस्ते कालरुद्राय नमः सर्वेश्वराय ते ॥ २९४ ॥

नमः परमरुपाय सदाशिव नमोनमः ।

नमः श्रीविश्वनाथाय विष्णुनेत्रार्चिताय ते ॥ २९५ ॥

नमो वन्द्याय विश्वाय शाश्वताय नमोनमः ।

नमो वेदान्तवेधाय निर्मलायामितात्मने ॥ २९६ ॥

नमस्त्रिशूलस्तयाय कन्दर्पदलनाय ते ।

नमो ऽमरुस्तयाय विराड्रूपाय ते नमः ॥ २९७ ॥

विदारितनृसिद्ध्याय सन्तुष्टमदनाय ते ।

दृढतन्त्रमोत्तमाङ्गाय शम्भवे प्रभवे नमः ॥ २९८ ॥

विश्वाकाराय विश्वाय नमस्ते विश्वतस्त्विषे ।

विश्वभर्त्रे नमस्तुभ्यं नमस्ते विश्वमूर्तये ॥ २९९ ॥

अनन्तविलव श्रीमन् अप्रमेयगुणार्णव ।

अपराधान्क्षमस्वेष करुणासागर प्रभो ॥ ३०० ॥

॥ ष्टि शिवरडस्यान्तर्गते राजाकृता शङ्करस्तुतिः सम्पूर्णा ॥

- ॥ श्रीशिवरडस्थम् । उग्राप्यः सप्तमांशः । अध्यायः २९ । २९३-३०० ॥


- .. shrIshivarahasyam . ugrAkhyah saptamAMshaH . adhyAyaH 21 . 283-300..

Proofread by Ruma Dewan

---

——  
*Rajakrita Shankara Stuti*

pdf was typeset on June 16, 2024

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

